SYLLABUS FOR PH.D. COURSE WORK

Subject: Hindi

Paper I: Research Methodology (शोध प्रविधि)

Paper Code: PHI-C101

समय: 03 घन्टे **अंक:** 70

पाठ्य विषय

इकाई- 1

(1) शोध का स्वरूप, शोध का अर्थ, शोध के विभिन्न पर्याय, अनुसंधान और आलोचना , पाठानुसंधान की परिभाषा.

(2) शोध की प्रक्रिया, विषय-निर्वाचन, शोधकर्ता के आवश्यक गुण, शोध की प्रारम्भिक पृष्ठभूमि.

इकाई-2

(1) अनुसंधान के मूल तत्त्व, अनुसंधान के प्रकार, सांगरी संकलन के स्रोत, सामग्री संकलन की विभिन्न प्रणालियाँ, सामग्री विश्लेषण एवं संयोजन.

(2) पत्राचार प्रश्नोत्तरी, साक्षात्कार, शोध –पत्र, हस्तलेखों का संकलन एवं उपयोग, उपजीव्य एवं उपस्कारक ग्रन्थों का पारायण.

इकाई-3

(1) शोध कार्य का विभाजन, अध्याय-उप शीर्षक और अनुपात, रूपरेखा, विषय सूची, प्रस्तावना, भूमिका लेखन,अनुक्रमणिका.

(2) पाद-टिप्पण,सन्दर्भ उल्लेख, सहायक ग्रन्थों की सूची , परिशिष्ट लेखन,पांडुलिपि अवलोकन एवं सम्पादन,अशुद्धियों का निर्मूल और शोध प्रबन्ध का प्रस्तुतीकरण,संक्षेपिका.

इकाई-4

(1) शोध: प्रविधि और दृष्टि: साहित्यिक अनुसंधान में ऐतिहासिक तथ्यों और पद्धतियों का उपयोग, साहित्यिक अनुसंधान में समाजशास्त्रीय प्रविधि का उपयोग, अंतर विचारपरक अनुसंधान प्रविधि, तुलनात्मक अनुसंधान प्रविधि,मनोविश्लेषणात्मक प्रविधि,भाषा वैज्ञानिक अनुसंधान.

(2) शोध भाषा का स्वरूप : शोध भाषा, समीक्षा भाषा, सर्जनात्मक भाषा में साम्य-वैषम्य,शोध चिन्ह आलेख तथा अंक आदि का उपयोग,अनुच्छेदीकरण,विरामांकन आदि.

इकाई-5

(1) हिन्दी शोध का स्वरूप एवं विकास. हिन्दी शोध की उपलब्धियाँ एवं सीमाएँ,हिन्दी शोध के स्तर के ह्रास के कारण तथा सुधार के सुझाव.

(2) कंप्यूटर व कंप्यूटर तकनीक, कंप्यूटर संरचना (कार्य प्रणाली),इन्टरनेट,वेबसाइट, कंप्यूटर का अनुसंधान में प्रयोग, इन्टरनेट का अनुसंधान में प्रयोग.

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे. प्रत्येक इकाई से शत-प्रतिशत विकल्प के साथ प्रश्न पूछा जाएगा. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का होगा.

सन्दर्भ- सामग्री:

1. शोध प्रविधि- डॉ. विनय मोहन शर्मा
2. अनुसंधान का स्वरूप- सं. सावित्री सिन्हा
3. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. ज्ञान प्रकाश गुप्ता
4. हिन्दी शोध तन्त्र की रूपरेखा- डॉ. मनमोहन सहगल
5. शोध प्रविधि और प्रक्रिया डॉ. चन्द्रभान रावत एवं डॉ. भव कुमारी
6. अनुसंधान के मूल तत्त्व- डॉ. उदयभानु सिंह
7. अनुसंधान की प्रक्रिया- डॉ. सावित्री सिन्हा एवं डॉ. विजयेन्द्र स्नातक
8. अनुसंधान की प्रविधि और प्रक्रिया- डॉ. राजेन्द्र मिश्र
9. नवीन शोध विज्ञान- डॉ. तिलक सिंह
10. शोध: स्वरूप एवं मानक कार्यविधि- डॉ. बैजनाथ सिंहल
11. शोध प्रविधि- मैथली प्रसाद भारद्वाज
12. शोध प्रविधि- डॉ. हरिश्चन्द्र वर्मा

SYLLABUS FOR PH.D. COURSE WORK

Subject: Hindi

Paper II: शोध एवं प्रकाशन आचार-विचार (Research Publication Ethics)

Paper Code: PHI-C102

समय: 03 घन्टे **अंक:** 70

नोट- यह प्रश्न पत्र शैक्षणिक सत्र 2021-22 से विश्वविद्यालय के सभी विभागों के पीएचडी कार्यक्रम में सामूहिक रूप से लागू किया गया है. इस प्रश्न पत्र का एक कॉमन पाठ्यक्रम रहेगा वो विश्वविद्यालय के समस्त पीएचडी कार्यक्रम में समान रूप से लागू होगा.

वर्तमान में इस प्रश्न पत्र की पाठ्य वस्तु हिन्दी विभाग के पास उपलब्ध नहीं है.

SYLLABUS FOR PH.D. COURSE WORK

Subject: Hindi

Paper III: हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि

Paper Code: PHI-C103

समय: 03 घन्टे **अंक:** 70

पाठ्य विषय

इकाई- 1 (1) मध्यकालीन बोध का स्वरूप, आधुनिक बोध का स्वरूप,मध्यकालीन बोध और आधुनिक बोध में साम्य-वैषम्य.

(2) सन्त काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, सूफी काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि, सगुण भक्ति आन्दोलन के प्रमुख दार्शनिक मत.

इकाई-2 (3) पुनर्जागरण और भारतेंदु युग,लोक जागरण और द्विवेदी युग, छायावाद और अध्यात्मवाद.

(4) गांधीवादी विचारधारा और हिन्दी साहित्य, राष्ट्रीयता की अवधारणा, भूमण्डलीकरण और बाजारवाद.

इकाई-3 (3) मार्क्सवाद ,मनोविश्लेषणवाद , अस्तित्ववाद

(4) अभिजात्यवाद, स्वच्छन्दतावाद, अभिव्यंजनावाद.

इकाई-4 (3) संरचनावाद, विखण्डनवाद, उत्तर-आधुनिकता.

(4) आंचलिकता और महानगरीय बोध, दलित चेतना, स्त्री विमर्श.

इकाई-5 (3) साहित्य का इतिहास-दर्शन, साहित्य का समाजशास्त्र,साहित्य का मनोवैज्ञानिक अध्ययन.

(4) साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन,साहित्य का वैज्ञानिक बोध,साहित्य का शैली वैज्ञानिक अध्ययन.

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर लिखने होंगे. प्रत्येक इकाई से शत-प्रतिशत विकल्प के साथ प्रश्न पूछा जाएगा. प्रत्येक प्रश्न 14 अंकों का होगा.

सन्दर्भ- सामग्री:

1. मध्यकालीन बोध का स्वरूप- हजारी प्रसाद द्विवेदी
2. भक्ति काव्य की भूमिका- प्रेम शंकर
3. भारतीय चिन्तन परम्परा- के दामोदरन
4. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य- राम विलास शर्मा
5. भक्ति आन्दोलन के सामाजिक आधार- सं. गोपेश्वर सिंह
6. हिन्दी साहित्य की भूमिका- हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. भारतेंदु युग और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ- राम विलास शर्मा
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण- राम विलास शर्मा
9. स्त्रीवादी विमर्श: समाज और साहित्य- क्षमा शर्मा
10. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श- जगदीश्वर चतुर्वेदी
11. आज का दलित साहित्य- तेज सिंह
12. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका- मैनेजर पाण्डेय
13. भारतीय दर्शन- बलदेव उपाध्याय
14. दलित विमर्श के विविध आयाम- वीरेन्द्र सिंह यादव
15. हिन्दी साहितु की वैचारिक पृष्ठभूमि- डॉ. विनय कुमार पाठक